5जी ट्रायल में आईआईटी बीएचयू को दी जाएगी तवज्जो

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

रेलवे व संचार राज्यमंत्री मनोज सिन्हा ने कहा कि 5जी का ट्रॉयल देश में कई शिक्षण संस्थानों में चल रहा है। कई इंडस्ट्री के लोग इस क्षेत्र में रुचि दिखा रहे है लेकिन जो आईआईटी (बीएचयू) में पहले जाएगा और संस्थान से पार्टनरशिप करेगा, तो सबसे पहले स्पेक्ट्रम उसी को मिलेगा। कुछ और क्षेत्र है जिसमें हमें काम करने की जरूरत है। रिसर्च आउटपुट और बढ़ाने की आवश्यकता है। इंडस्ट्री के साथ मजबूत पार्टनरशिप ये समय की जरूरत है। इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट व आईआईटी बीएचयू के क्लासरूम, लैब को और आधुनिक करने की जरूरत है।

श्री सिन्हा ने सोमवार को स्वतंत्रता भवन सभागार में संस्थान के शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित ग्लोबल एलुमनी मीट के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। उन्होंने कहा कि आज देश को एक स्ट्रक्चर्ड मैकेनिज्म की जरूरत है। पर सवाल यह है कि एलुमनी के साथ संस्थान कैसा सहयोग चाहता है। कई ऐसे लोग हैं जिनको वे जानते है वे महत्वपूर्ण योगदान करना चाहते है मगर नहीं कर पाते हैं। इस वजह से एक ऐसे मैकेनिज्म की जरूरत है जो निरंतर इस कार्य को देखता रहे। समारोह में मनोज सिन्हा को एलुमनस ऑफ सेंचुरी इन मेकिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इससे पहले समापन समारोह की शुरूआत मालवीयजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कुलगीत के साथ हुई। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने इनोवेशन, स्टार्टअप और रिसर्च की जानकारी दी। समापन समारोह में अतिथियों और एलुमनी का स्वागत आर्गनाइजिंग कमेटी के चेयरमैन व संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर के सदस्य नितिन मल्होत्रा ने किया और धन्यवाद अधिष्ठाता (रिसोर्स एंड एलुमनाई) प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता प्रो. राजीव प्रकाश, कुलसचिव डॉ एसपी माथुर, प्रो. पीके मिश्रा, अधिष्ठाता प्रो. वीएन राय आदि शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंफोसिस ने दिए छह करोड़ : समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में विचार व्यक्त करते हुए वीएचयू के कुलपति प्रोफेसर राकेश भटनागर ने बताया कि पूरे देश में ऐसी कोई शैक्षणिक संस्था नहीं है जहां शिक्षण और रिसर्च से जुड़े विभाग साथ साथ एक ही कैंपस में हों। यह सिर्फ वीएचयू में ही है। उन्होंने कहा कि वीएचयू और आईआईटी (वीएचयू) एक साथ कई डिग्री प्रोग्राम और रिसर्च कार्य करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने सभी पुरातन छात्रों को भारत कला भवन म्यूजियम देखने का भी आग्रह किया। उन्होंने बताया कि इस म्यूजिमय को और बेहतर बनाने के लिए इंफोसिस ने छह करोड़ रूपये भी दिये है।

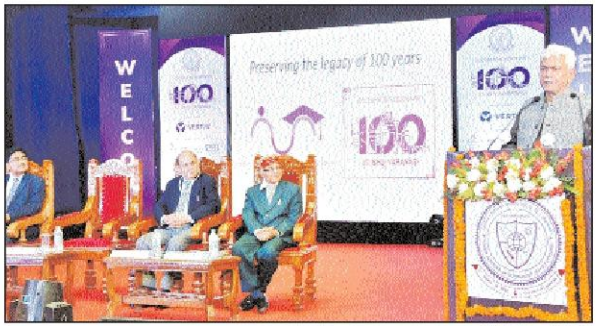

आईआईटी (बीएचयू) में शताब्दी समारोह के तहत ग्लोबल अलुमनाई मीट का समापन

पुरातन छात्रों को उनके योगदानों के लिए किया गया सम्मानित

मनोज सिन्हा एलुमनस ऑफ सेंचुरी इन मेकिंग अवार्ड से सम्मानित

15 को डिफेंस कारिडोर का हिस्सा होगा आईआईटी : आईआईटी के निदेशक प्रो. पीके जैन ने कहा कि आगामी 15 फरवरी को प्रधानमंत्री की मौजूदगी में झांसी में एमओयू पर दस्तखत के साथ ही आईआईटी वीएचयू, आईआईटी कानपुर के साथ ही डिफेंस कारिडोर का हिस्सा बन जायेगा। इसके लिए 14 फरवरी को ही आईआईटी वीएचयू की टीम झांसी पहुंच जायेगी। आईआईटी के विजन डाक्यूमेंट से यंग फेकल्टी को जोड़ा जाने से ब्रेन गेन होगा। आईआईटी में ऐग्रीक्यूवेटर प्रोजेक्ट के लिए 3.23 करोड़ एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री ने दिया है।

सर्दी के श्रेष्ठ पुरातन छात्र : समारोह में स्व. कृष्णकांत, स्व. वेदप्रकाश गोयल, स्व. अशोक सिंघल, स्व. कर्नल वाही, स्व. यूएस अवस्थी, प्रो. एसपी सुखात्मे, डा. रामचरन डा. कोटा हरिनारायन, डा. पल्ले रामा रॉव को श्रेष्ठ पुरातन छात्र की उपाधि से अलकृंत किया गया।

एलुमनस ऑफ सेंचुरी इन मेकिंग अवार्ड : जय चैधरी, दीपक आहूजा, प्रो. एस वंदोपाध्याय, प्रो. अखिलेश लखिटकया, पंकज चंद्रा, अरविंद गुप्ता, प्रो. अमित भसीन, डॉ पुलिकेल अजयन, मनोज सिन्हा को दिया गया।

मातृत्व संस्था को समर्पित पूर्व छात्र अवार्ड : एनसी जैन, पी रामाचन्द्रन, प्रो. वीवी धर, दीपक पहवा, नितिन मल्होत्रा, सुनील खन्ना, राजीव गुप्ता श्री देवाशीष भट्टाचार्या श्री एलसी सिंह डॉ पॉल चुग को दिया गया।

संस्थान का विशिष्ट सेवा एवार्ड : स्व. एनपी गांधी, स्व. प्रो. दया स्वरूप, स्व. प्रो. एम सेनगुप्ता, स्व. प्रो. एमपी नेटारवाला, स्व. प्रो. गोपाल त्रिपाठी, स्व. प्रो. एसएस सलूजा, प्रो. टी आर अनंथारमन को मिला।

2024 के बाद कांग्रेस दर्ज करा पाएगी उपस्थिति

वाराणसी। रेलवे व संचार राज्य मंत्री मनोज सिनहा ने कहा कि चाहे जो भी हो 2019 का लोकसभा चुनाव तो भाजपा का ही है। देश की जनता ने एक बार फिर नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प ले लिया है। ऐसा इसलिए है कि पिछले पांच साल से देश में विकास की जो धारा प्रवाहित हो रही है वह अविछिन्न रुप से प्रवाहित होती रहे।

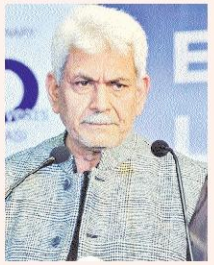

प्रियंका गांधी वाड्रा के कांग्रेस का महासचिव व पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनने से यूपी की लोकसभा सीटों पर कोई असर नहीं पड़ेगा : मनोज सिन्हा

उन्होंने कहा कि देश को भ्रष्टाचार मुक्त करने तथा विकास को पूरब से पश्चिमी तथा कच्छ से पूर्वोत्तर राज्य के सुदूर राज्यों तक पहुंचाने के लिए मोदी सरकार को एक अवसर देने का मन जनता बना चुकी है।

श्री सिनहा सोमवार को आईआईटी वीएचयू के शताब्दी समारोह में शामिल होने आये थे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा को महासचिव व पूर्वी उत्तर प्रदेश का चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपना कांग्रेस का आंतरिक मसला है। वैसे भी देखा जाये तो यह पार्टी वंशवाद को लेकर चलती है। एक ही परिवार के लोग हमेशा पार्टी की नैय्या ढोते है। कांग्रेस में कभी आन्तरिक लोकतन्त्र नहीं रहा। पार्टी में यह कहावत चरितार्थ होती है 'खाता न वहीं- हम जो कहे वहीं सहीं'। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखा जाये तो श्रीमती गांधी के कांग्रेस का महासचिव व पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनने से यूपी की लोकसभा सीटों पर कोई असर पड़ेगा यह कहना गलत होगा। प्रियंका गांधी वाड्रा के आने से उत्तर प्रदेश में 2024 तक ही कांग्रेस अपनी कुछ मामूली उपस्थिति दर्ज करा सकेगी। प्रियंका गांधी वाड्रा के आने से सपा-बसपा को ही नुक्सान होगा। लेकिन भाजपा के वोटों पर असर नहीं पड़ेगा।